This question paper contains 8+2 printed pages]

आपका अनुक्रमांक.....

323

B.A. (Programme)/II/III J

HINDI LANGUAGE (A)—Paper II

हिन्दी भाषा (क)—प्रश्नपत्र II

(प्रवेशवर्ष 2004/2006 और तत्पश्चात् नियमित कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए/NCWEB के विद्यार्थियों के लिए)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

टिप्पणी :—प्रश्नपत्र पर अंकित पूर्णांक नियमित कॉलेजों (श्रेणी 'A')के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक NCWEB के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में अधिक होंगे।

1. निम्नलिखित अनुच्छेद आपके पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठों से लिए गए हैं। किन्हीं **दो** अनुच्छेदों के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 8+8=16

(क) पागल रे ! वह मिलता है कब
उसको तो देते ही हैं सब

P.T.O.

आँसू के कन-कन से गिनकर

यह विश्व लिए है ऋण उधार,

तू क्यों फिर उठता है पुकार ?

मुझको न मिला रे कभी प्यार।

(*i*) उपर्युक्त काव्यांश किस कविता से लिया गया है ? उसके कवि का नाम लिखिए।

(*ii*) इन पंक्तियों में प्रेम का कौनसा रूप व्यक्त हुआ है ?

(*iii*) कवि ने 'पागल रे' संबोधन किसके लिए और क्यों किया है ?

(*iv*) 'आँसू के कन-कन से गिनकर यह विश्व लिए है ऋण उधार'—आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) जादू की सवारी उतरी कि पता चलता है कि फैंसी चीजों की बहुतायत आराम में मदद नहीं देती, बल्कि ख़लल ही डालती है। थोड़ी देर को स्वाभिमान को ज़रूर सेंक मिल जाता है। पर इससे अभियान की गिल्टी को और खुराक ही मिलती है। जकड़ रेशमी डोरी की हो तो रेशम के

स्पर्श के मुलायम के कारण क्या वह कम जकड़ होगी ? पर उस जादू की जकड़ से बचने का एक सीधा-सा उपाय है। वह यह कि बाज़ार जाओ तो मन खाली न हो। मन खाली हो, तब बाजार न जाओ। कहते हैं लू में जाना हो तो पानी पीकर जाना चाहिए।

(*i*) उपर्युक्त अनुच्छेद किस पाठ से लिया गया है ? उसके लेखक का नाम लिखिए।

(*ii*) फैंसी चीज़ों की बहुतायत आराम में ख़लल कैसे डालती है ?

(*iii*) 'स्वाभिमान को सेंक' से लेखक का क्या अभिप्राय है ?

(*iv*) जादू की जकड़ से बचने का लेखक ने क्या उपाय बताया है ?

(ग) नेहरू ने गंगा के बारे में, हिमालय के बारे में, भारत की मिट्टी के बारे में जो लिखा है, उसे जरा एक बार फिर पढ़िए, गंगा और हिमालय का नाम सुनकर जो झनझनाहट

नेहरू को होती थी, वह क्या एक हिन्दू-प्रतिध्वनि थी ? नेहरू ने अपने देश को सौंदर्य-प्रतीकों, प्रेरणा-प्रतीकों और स्मृति प्रतीकों में देखा। इन सबने उन्हें बिजली दी। इस बिजली के बगैर कोई हिन्दुस्तान में रह कैसे सकता है ? जब सिंहासन के प्रश्न नहीं थे, तब मध्ययुग के हिन्दू और मुसलमान कवि उन्हीं प्रतीकों के माध्यम से हिन्दुस्तान पहचानते थे। लेकिन यदि जुनूनों के बीच दरार पड़ने लगे तो गंगा का जिक्र भी साम्प्रदायिक लग सकता है। यदि गंगा और हिमालय का परित्याग जरूरी है, तो बताइए, भारत की कविता किन उपादानों का सहारा लेकर पढ़ें।

(*i*) उपर्युक्त अनुच्छेद किस पाठ से लिया गया है ? उसके लेखक का नाम लिखिए।

(*ii*) नेहरू ने अपने देश को किन प्रतीकों में देखा ?

(*iii*) 'यदि जुनूनों के बीच दरार पड़ने लगे तो गंगा का जिक्र भी साम्प्रदायिक लग सकता है'—आशय स्पष्ट कीजिए।

(*iv*) 'सिंहासन के प्रश्न' राष्ट्रीय एकता को कैसे प्रभावित करते हैं ?

2. किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 9

(*i*) 'अरी वरुणा की शांत कछार' कविता में 'तपस्वी' सम्बोधन किसके लिए है और 'वरुणा' की शांत कछार' का क्या संदर्भ है ?

(*ii*) मछुओं के गाँव की क्या स्थिति थी ?

(तूफान के विजेता)

(*iii*) पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण के लिए लेखक किन नियमों को अपनाने पर बल देता है ?

(*iv*) क्रोध सत्यनारायण का स्थायी भाव क्यों बन गया था ? (मनु)

(*v*) 'अब नहीं आती पुलिन पर प्रियतमा' को लेखक इलाहाबाद की खोज का प्रयास क्यों कहता है ?

(अब नहीं आती पुलिन पर प्रियतमा)

3. संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(*i*) खड़ी बोली का सामान्य परिचय। 4

(*ii*) देवनागरी लिपि की विशेषताएँ। 4

(*iii*) राष्ट्रभाषा और राजभाषा में अन्तर। 4

4. निम्नलिखित अपठित अंश के आधार पर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 6

समाज का पुराना सामंजस्य विनष्ट हो गया है, वह नए सामंजस्य, नए समन्वय की तलाश में है। ऐसे युग में हम केवल अतीत के सहारे कैसे चल सकते हैं ? इतिहास बताता है कि वही देश पतनोन्मुख हैं, जो युग-धर्म की उपेक्षा करते हैं और परिवर्तन के लिए तैयार नहीं हैं। इतने पर भी हम आँख नहीं खोलते। परिवर्तन का यह अर्थ कदापि नहीं है कि अतीत की सर्वथा उपेक्षा की जाए, ऐसा हो भी नहीं सकता। अतीत के वे अंश जो उत्कृष्ट और जीवनप्रद हैं उनकी तो रक्षा करनी ही है, किन्तु नए मूल्यों का हमको स्वागत करना होगा तथा वह आचार-विचार जो युग के लिए अनुपयुक्त और हानिकारक है उसका परित्याग भी करना

पड़ेगा। राष्ट्रीयता की माँग है कि भारत में रहने वाले सभी मज़हब के लोगों के साथ समानता का व्यवहार होना चाहिए और सदा एकरूपता लाने का प्रयास होना चाहिए। सांस्कृतिक दृष्टि से भी यह आवश्यक है। जब चार करोड़ मुसलमान हमारे देश के अधिवासी हैं तो उनका संस्पर्श आप बचा नहीं सकते। ऐसी अवस्था में एकरूपता के अभाव में तथा संकीर्ण बुद्धि से उनके साथ व्यवहार करने में सदा भय बना रहेगा और संघर्ष होता रहेगा। भेद-भाव की बुद्धि मिटाकर तथा एकरूपता के लिए उचित साधनों को एकत्रित करके ही इस भय को दूर कर सकते हैं।

(*i*) उपर्युक्त अनुच्छेद का उचित शीर्षक लिखिए।

(*ii*) उपर्युक्त अनुच्छेद का सार लिखिए।

(*iii*) 'युग-धर्म की उपेक्षा' से क्या तात्पर्य है ?

5. हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 6

The great advantage of early rising is the good start it gives us in our day's work. The early riser has done a large amount of hard work before other men have

got out of bed. In the early morning the mind is fresh, and there are few sounds or other distractions, so that work done at that time is generally well done. In many cases the early riser also finds time to take some exercise in the fresh morning air, and this exercise supplies him with a fund of energy that will last until the evening. By beginning so early, he knows that he has plenty of time to do thoroughly all the work he can be expected to do, and is not tempted to hurry over any part of it. All his work being finished in good time.

6. निम्नलिखित कथांश का संवाद-शैली में रूपांतरण कीजिए : 6

शकलदीप बाबू थोड़ा हँसते हुए बोले, "तुमको अब भी संदेह है ? लो, मैं कहता हूँ कि बबुआ ज़रूर आएँगे, ज़रूर आएँगे। नहीं आए, तो मैं अपनी मूँछ मुड़वा दूँगा। और कोई कहे या न कहे, मैं तो इस बात को पहले से ही जानता हूँ। अरे, मैं ही क्यों, सारा शहर यही कहता है। अम्बिका बाबू मुझे बधाई देते हुए बोले, 'इंटरव्यू में बुलाए जाने का मतलब यह है कि इंटरव्यू थोड़ा भी

अच्छा हो गया, तो चुनाव निश्चित है।' मेरी नाक में दम था, जो भी सुनता, बधाई देने चला आता।''

''मुहल्ले के लड़के मुझे भी आकर बधाई दे गए हैं। 'जानकी, कमल और गौरी तो अभी-अभी गए हैं। जमुना ने स्वप्निल आँखों से अपने पति को देखते हुए सूचना दी।''

''तो तुम्हारी कोई मामूली हस्ती है! अरे, तुम डिप्टी-कलक्टर की माँ हो न, जी।'' इतना कहकर शकलदीप बाबू ठहाका मारकर हँस पड़े।

जमुना कुछ नहीं बोली, बल्कि उसने मुस्की काटकर साड़ी का पल्ला सिर के आगे थोड़ा और खींचकर मुँह टेढ़ा कर लिया।

7. (क) शब्द-शक्ति से क्या तात्पर्य है ? उसके विभिन्न भेदों का उल्लेख कीजिए। 4

(ख) 'कुछ शहर चाकू की तरह तेज और चमचमाते हैं, कुछ धीरे-धीरे मलिन, सुस्त जुगाली करते रहते हैं'—लाक्षणिक प्रयोग को स्पष्ट कीजिए। 4.

(ग) 'समानता का मतलब है 'समान व्यक्तियों में समानता', समझे (समझी) कुछ।'—निहित व्यंग्यार्थ को स्पष्ट कीजिए। 4

8. (क) कोश किसे कहते हैं ? किन्हीं **दो** कोशों के नाम लिखिए। 4

(ख) हिन्दी शब्दकोश में प्रविष्टि के लिए निम्नलिखित शब्दों को वर्णक्रमानुसार लिखिए : 4

स्वर्ग, तर्क, बौद्धिक, उपन्यास, चक्षु, पृथ्वी, प्रजा, कृपया, साहस, प्रकृति, गाँव, स्वीकार, चंचल, कल्पना, यथार्थ, शुद्ध।